डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 248 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 24 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

जमीन के लिए अपनों से जंग..!

जनवरी से जून तक सबसे ज्यादा मामले होते हैं दर्ज

राजस्व विभाग नहीं कर पा रहा संतुष्ट, पुलिस थानों में बढ़ रही एफआईआर

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो थानों में सबसे ज्यादा अपराध अपनो के बीच ही दर्ज हो रहे हैं। चाहे विवाद परिवार के व्यक्ति से हो या पड़ोसी से। कारण है जमीन। इन अपराधों पर अंकुश लगे तो जिले में अपराधों की संख्या में एकाएक बड़ी गिरावट भी दर्ज होगी। जमीन संबंधी अपराध एक नासूर की तरह हो गए है। उदाहरण के तौर पर केवल 21 जून को जिले में दर्ज मामलों की जानकारी ली तो सामने आया कि एक दिन में 31 मामले थानों में दर्ज हुए है। इनमें सबसे अधिक मामले ही राजस्व से जुड़े हुए है। जिसमें मारपीट से लेकर जान से मारने की धमकी तक के प्रकरण शमिल है।

वहीं पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई 09 है। राजस्व विभाग से फैसला नहीं हो पा रहा या निर्णय से संतुष्टी नहीं मिल पा रही। वहीं पुलिस सिर्फ एफआईआर के अलावा कुछ कर नहीं सकती। जिसके चलते ये अपराध हो रहे है। इन अपराधों का भी एक सीजन है। ये अपराध सबसे अधिक जनवरी से लेकर मई-जून तक होते है। इन मामलों में हत्या तक हो चुकी है। जिले में इन पांच-छह माह में होने वाले अपराधों में सबसे अधिक संख्या जमीन संबंधी मामलों की होती है। इनकी संख्या करीब 30 से 40 फीसदी रहती है। इनके होने का सबसे बड़ा कारण है कि राजस्व विभाग समय पर कार्रवाई नहीं करता है। जमीन संबंधी मामलों में विवाद बढ़ते है और मारपीट से लेकर हत्या तक पहुंच जाते है। इस तरह के अपराध मार्च से लेकर 15 जून अर्थात बोवनी तक होते है। इन दिनों में एकाएक अपराधों की संख्या में भी बढ़ोतरी आती है।

जमीन को लेकर हत्या और मारपीट...

01- जमीन संबंधी मामले में दो पक्षों में गत दिवस दलौदा में बड़ा विवाद हुआ। जिसके वीडियो भी वायरल हुए। जिसमें पुलिस ने मामला भी दर्ज किया है।

02-मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र में कुछ दिनों पूर्व ही रास्ते के विवाद को लेकर भतीजे ने काका की हत्या कर दी थी।

03- गरोठ थाना क्षेत्र में कुछ माह पहले जमीन को लेकर बदमाशों ने महिला की हत्या कर दी थी।

04- सीतामऊ में प्लाट की बात को लेकर दिलखुश सेन के साथ चार लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

05- भावगढ़ थानाक्षेत्र के गांव मांगरोल में जमीन विवाद को लेकर जितेंद्र पाटीदार के साथ दो लोगों ने मारपीट की।

06- भावगढ़ थानाक्षेत्र के गांव जवासिया में मेड़ फाड़ने की बात को लेकर निर्मलाबाई के साथ मारपीट की।

07- भावगढ थानाक्षेत्र के गांव करनाखेड़ी में खेती की जमीन की बात को लेकर नीरज माली के साथ तीन लोगों ने मारपीट की।

नौ थानों पर कम, सात में बढ़े अपराध...

जिले में सात थाने ऐसे सामने आए है। जहां पर इस साल अपराध बढ़े हैं, इनमें कोतवाली, वायडीनगर, नईआबादी, पिपलिया मंडी, सीतामऊ, सुवासरा और भानपुरा थाना शामिल है। यहां पर 1467 अपराध पंजीबद्ध किए गए है। जबकि, कुल अपराध 2 हजार 772 दर्ज किए गए। यानि आधे से अधिक अपराध इन थानों पर पंजीबद्ध हुए है। वही शेष नौ थानों पर 1363 अपराध पंजीबद्ध हुए है। जबकि, यहां पर थानों की संख्या अधिक है।

जिले में 05 फीसदी अपराध हुए कम...

जानकारी के अनुसार जनवरी से लेकर दिसंबर तक में बड़ी संख्या में जिले के थानों में अपराध दर्ज होते है। लेकिन, उनको सबसे अधिक हिस्सा यानी सबसे अधिक मामले जनवरी से लेकर मई तक दर्ज होते है। 2025 में एक जनवरी से 31 मई तक 2 हजार 772 अपराध जिले में पंजीबद्ध हुए है। वही 2024 में दो हजार 935 अपराध पंजीबद्ध हुए थे। इस साल 5.55 फीसदी अपराध में कमी आई है।

महिला को ठगने वाले बदमाश को एक साल की सजा

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। श्रीमती शुभा रिछारिया दीक्षित, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जावद द्वारा पुलिस कार्यवाही कराये जाने के नाम पर महिला से 1 लाख 52 हजार रूपए की ठगी करने वाले आरोपी श्यामसिंह पिता परथेसिंह राजपूत उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम चीताखेड़ा जिला नीमच को धारा 420 भारतीय दण्ड संहिता 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के सश्रम कारावास व 01 एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

एडीपीओं योगेश कुमार तिवारी द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी 2024 को श्रीमती शिमला ने थाना रतनगढ में आवेदन के माध्यम से शिकायत की। जिसमें उसने बताया कि परिवार में हुए विवाद के बाद महिला शिमला नीमच कोर्ट गई। यहां श्यामसिंह ने आवेदन टाईप करवाकर महिला से थाने में दिलवाया। इसके बाद एसपी कार्यालय में पांच हजार रुपए देने की बात कहकर रूपए लिए। इसके बाद भी कार्रवाई के नाम पर रुपए लेता रहा। करीब 01 लाख 52 हजार रूपए वसूल लिये। लेकिन, किसी भी आवेदन पर पुलिस कार्रवाई नहीं हुई। रतनगढ पुलिस द्वारा आरोपी के विरूद्ध एफआईआर पंजीबद्ध की जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया व आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग-पत्र जावद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर छल किये जाने के अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया। जिस पर न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी योगेश कुमार तिवारी एडीपीओ द्वारा की गई।

निर्माणाधीन मकान की छत से गिरा मजदूर, मौत

नीमच, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर की कृष्णा रेसिडेंसी कॉलोनी में एक निर्माणाधीन मकान की छत से गिरने से 35 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। उसकी पहचान रतलाम जिले के गरवाड़ा निवासी रामचंद्रन के रूप में हुई है।रामचंद्रन, संजय अग्रवाल और हरीश पाटीदार की कॉलोनी में बन रहे मकान में काम करता था और वहीं रह रहा था। रात के समय वह मकान की छत पर गया। नीचे गिरने से उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि छत के चारों ओर सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण मजदूर संतुलन खोकर नीचे गिर गया। गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि मजदूर छत पर क्यों गया था। साथ ही निर्माण स्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। अब पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है, ताकि मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा।

मंदसौर-नीमच में था बारिश का अलर्ट

रात में झमाझम, दिनभर छाए रहे बादल

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। रविवार दिनभर शहर में बारिश नहीं हुई। जिले में कहीं बूंदाबांदी तो कहीं बारिश का दौर चला। इसके बाद रात में शहर सहित अंचल में कई स्थानो पर बारिश हुई। दूसरे दिन सोमवार को सुबह हल्की बारिश का दौर चला। सुबह से बादल छाए रहे। बीच बीच में बूंदाबांदी का दौर भी चला। इस दौरान तापमान में अच्छी खासी गिरावट होने के साथ ही गर्मी से निजात मिली। इधर मंदसौर में ओरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

बताया गया है कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और टर्फ के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में अगले 04 दिन तक बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। रविवार को पूरे प्रदेश में बारिश हुई। वहीं, सोमवार को उज्जैन में रेड, इंदौर-देवास में ऑरेंज अलर्ट रहा। मौसम विभाग ने इस सीजन में पहली बार उज्जैन समेत 04 जिलों में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा और राजगढ़ में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 8 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। नीमच, मंदसौर, इंदौर और देवास में ऑरेंज अलर्ट है।

बुजुर्ग को आत्महत्या करने से रोका

गांधी सागर डेम में कूदने की कोशिश कर रहे थे; राहगिरों ने डायल 100 को बुलाया

भानपुरा, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। गांधीसागर पुलिस ने सुसाइड करने डेम पर पहुंचे बुजुर्ग को बचाया। राहगीरों ने पुलिस को फोन पर सूचना दी कि गांधी सागर डेम के नीचे एक व्यक्ति आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही डायल 100 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने ढाबला माधवसिंह निवासी भेरूलाल सेन को बचाया और भानपुरा सिविल अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया, जिसके बाद उनके परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्हें अपने साथ ले गए।

परिजनों ने कहा, मानसिक स्थिति खराब...

गांधीसागर टीआई करुणा भारद्वाज से मिली जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग की उम्र करीब 80 साल है और उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। आत्महत्या करने के संबंध में उन्हें कुछ नहीं बताया साथ ही परिवारजनों ने भी मानसिक स्थिति का हवाला दिया है। हालांकि पुलिस ने बुजुर्ग को भविष्य में ऐसा न करने की हिदायत दी और परिवारजनों के साथ उन्हें रवाना किया गया। टीम में बहादुर सिंह चंद्रावत, विशाल यादव, आरक्षक जतिन दीक्षित और पायलट लोकेंद्र पारीक शामिल थे।

शिक्षा विभाग के नवीन पोर्टल 3.0 का ट्रायल शुरू

अब हर घंटे देना होगी आनलाईन अटेंडेंस, नहीं तो कटेगा वेतन

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों का अब स्कूल से गायब होना मुश्किल होगा। 01 जुलाई से उन्हें ऑनलाइन अटेंडेंस देनी होगी। खास बात यह है कि स्कूल पहुंचने के नियत समय पर चेहरा पहचान कर हाजिरी तो लगेगी ही, पर हर क्लास के बाद प्रति घंटे भी ऑनलाइन अटेंडेंस देनी होगी। कक्षाओं में पढाते समय भी ऑनलाइन देखा जा सकेगा। दरअसल विभाग ने नवीन पोर्टल 3.0 को ट्रायल शुरु कर दिया है।

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को फेस रिकॉग्निशन (फेस स्कैन) के जरिए उपस्थिति दर्ज करानी होगी। सार्थक ऐप शिक्षकों के स्थान और चेहरे की पहचान करेगा। ऐप शिक्षकों के हर मूवमेंट को भी ट्रैक करेगा। चेहरा स्कैन करने के बाद ऐप के जरिए यह शिक्षा अधिकारी के ऐप या उनके लैपटॉप तक पहुंचेगा। इससे उनकी उपस्थिति आसानी से ट्रैक हो सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल 3.0 का 23 जून से शुरु हो चुका हो जो 30 जून तक होगा। इसी पर ऑनलाइन हाजिरी का परीक्षण होगा। 'हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस' का ट्रायल स्कूल शिक्षा विभाग उन क्षेत्रों में करेगा, जहां इंटरनेट की समस्याएं हैं। शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस शिक्षा मित्र ऐप से शुरू की गई थी, लेकिन विरोध के चलते नहीं चल सकी।

देरी हुई तो लग जाएगा हाफ डे...

स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर शिक्षक विद्यालयों में पहुंचकर एक घंटे के अंतराल में ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करेंगे। छुट्टी होगी तब आधा घंटा पूर्व या बाद में ई-उपस्थिति लगेगी। निर्धारित समय सीमा के पश्चात उपस्थिति दर्ज करने पर आधे दिन का आकस्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा, जिसे शिक्षकों के देय 13 आकस्मिक अवकाश एवं 3 ऐच्छिक अवकाश से समायोजन किया जाएगा। समायोजन के पश्चात अवकाश अवधि को संगणित किया जाएगा। शिक्षक प्रणाली के माध्यम से ई-उपस्थिति दर्ज होगी।

स्टूडेंटस की भी लगेगी ऑनलाइन अटेंडेंस...

अगले साल से छात्रों की भी हाजिरी ऑनलाइन की जाएगी। नया सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। इससे छात्रों की स्थिति की सही सूचना मिल सकेगी। बच्चों की ऑनलाइन हाजिरी की सूचना सुबह 11.00 बजे तक बोर्ड मुख्यालय को मिल जाएगी।

रीजनल राइज कॉनक्लेव का मंदसौर में भी उत्साह

अब तक 614 ने कराए रजिस्ट्रेशन, प्रक्रिया जारी

मंदसौर/उज्जैन, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। पड़ोसी जिले रतलाम में पहली बार हो रही रीजनल राइज कॉनक्लेव को लेकर मंदसौर के उद्योगपतियों और हितग्राहियों में भी अच्छा खासा उत्साह देखा जा रहा है। अब तक मंदसौर जिले से 614 उद्यमियो ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है तो वहीं नीमच में यह संख्या 431 है। संभाग में सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन 963 रतलाम के हुए है। प्रदेश की बात करें तो यह आंकड़ा पांच हजार से अधिक है।

एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि कॉनक्लेव को सफल बनाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारियों को जिमेदारी सौंपी है कि वे अधिक से अधिक लोगों को इस कॉनक्लेव के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिंक के माध्यम से जोड़े। उन्होंने बताया कि इस कॉनक्लेव के माध्यम से निवेश करने वाले छोटे उद्योगपतियों को शामिल करें। इसके लिए उन्हें इन्वेंट एमपी पोर्टल की लिंक उपलब्ध कराए, ताकि उन्हें प्रदेश की उद्योग संबंधी सभी योजनाओं, भूमि, सुविधाओं व सब्सिडी आदि की जानकारी मिल सकें।

समावेशी संगम है यह कॉनक्लेव...

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप ने बताया अभी तक हुई छह कॉनक्लेव ने प्रदेश में औद्योगिक नीति व निवेश को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रतलाम में होने वाली यह कॉनक्लेव उद्योग, कौशल व रोजगार का समावेशी संगम होगी। इसमें उद्योगों को ट्रेंड युवा मिल सकेंगे। आने वाले समय में मप्र आदर्श राज्य बन सकेंगा। यह कॉनक्लेव उसी दिशा में सशक्त कदम है।

डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अनिता चौकोटिया ने संभाला प्रभारी सीएमओ का कार्यभार

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग द्वारा डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अनिता चौकोटिया को मंदसौर नगर पालिका का प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) नियुक्त किया गया है। सोमवार को उन्होंने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर से भेंट की और नगर के कामकाज को लेकर आवश्यक चर्चा की। इस दौरान सभापति निलेश जैन, श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, सभापति प्रतिनिधि नरेश चंदवानी, नरेंद्र बंधवार भी उपस्थित रहे।सीएमओ श्रीमती चौकोटिया ने कार्यभार ग्रहण के बाद स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा, कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया, गेरेज सहायक जाकिर भाई सहित अन्य अधिकारियों से नगर की सफाई व्यवस्था एवं कार्यालय संचालन को लेकर चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए।

विधानसभा की पुस्तकालय समिति के सभापति और सदस्य पहुंचे मंदसौर, पशुपतिनाथ भगवान की पूजा-अर्चना की

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश विधान सभा पुस्तकालय, अनुसंधान एवं संदर्भ समिति के सभापति एवं विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, समिति के सदस्य एवं विधायक श्री जितेंद्र उदयसिंह पंड्या, सदस्य एवं विधायक विवेक विक्की पटेल, सदस्य एवं विधायक चैन सिंह वरकडे सहित समिति के अन्य सदस्यों, कर्मचारियों ने पावन नगरी मंदसौर में शिवना तट पर स्थित भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा जिले की सुख शांति समृद्धि कामना की। इस दौरान पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, मंदसौर एसडीएम शिवलाल शाक्य सहित अन्य जिलाधिकारी मौजूद थे।

फोरलेन पर आईल गिरा, बाइक सवार स्लीप हुए

मल्हारगढ़, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर से निकलने वाले फोरलेन मार्ग पर ऑइल गिर गया। जिसके कारण करीब एक दर्जन से ज्यादा बाइक सवार स्लीप होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हालांकि, सूचना मिलने पर नगर परिषद की टीम मौके पहुंची और सफाई करके ऑइल को साफ किया।

यातायात पुलिस ने की स्कूल बसों की चेकिंग

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय में स्कूलों का नया सेशन शुरू होने पर यातायात पुलिस ने स्कूल बसों की चेकिंग शुरू की है। ये कार्रवाई पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर की जा रही है। स्कूल के बच्चों की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए सोमवार सुबह पुलिस ने सेंट थॉमस स्कूल और डेक्सटर ग्लोबल स्कूल की बसों की तलाशी ली। गाड़ी के कागजात चेक किए गए। यातायात सूबेदार शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि फिलहाल दो स्कूलों की बसों को चेक किया गया है। आगामी दिनों में अन्य स्कूल की बसों को चेक किया जाएगा।

सात दिन बाद से नया सत्र, अभी तक सिलेबस ही नहीं मिला

अब तक 25 विषयों का पाठ्यक्रम अधूरा, प्रवेश परीक्षा के संबंध में भी गाइडलाइन का इंतजार

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। आगामी एक जुलाई से कॉलेजों में नया सत्र शुरू होने जा रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि उच्च शिक्षा विभाग के पास अब बस एक सप्ताह का समय शेष है। लेकिन, अब तक पाठ्यक्रम भी तैयार नहीं किया जा सका है। नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यूजी के साथ-साथ पीजी में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुई है तो नया अध्यादेश भी लागू किया गया है।

पीजी पाठ्यक्रम के लिए जारी करिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क के आधार पर नवीन अध्यादेश क्रमांक 14(2) के तहत बदलाव किया गया है। अब तक विभाग की ओर से कोई तैयारी नहीं हो पाई है। वहीं अब तक कई विश्वविद्यालयों ने यूजी चतुर्थ वर्ष का परिणाम भी जारी नहीं किया है। इससे पीजी में प्रवेश लेने में परेशानी होगी। विभाग ने ऐसे विद्यार्थियों की सीटों का आवंटन रोक दिया है जो यूजी में पढे विषयों को छोडक़र अन्य विषयों से दो वर्षीय पीजी करना चाहते हैं। दरअसल, विभाग पीजी के नए अध्यादेश के तहत व्यवस्था तैयार नहीं कर सके। अब इन विद्यार्थियों को पीजी में प्रवेश कैसे दिया जाएगा, इस संबंध में विभाग विचार कर रहा है।

यूजी में यह बदलाव...

नए अध्यादेश के तहत यूजी में विद्यार्थी तीसरे विकल्प में बहुसंकाय (मल्टी डिस्पलनरी) विषय में से एक का चयन कर सकेंगे। इसमें 12वीं में विद्यार्थी ने जिस संकाय में पढ़ाई किया है, उस विषय को छोडक़र दूसरे संकाय के कोई भी विषय को ले सकेंगे। इसमें अब तक 25 विषयों का पाठ्यक्रम तैयार नहीं हो सका है।

पीजी में यह बदलेगा...

दो वर्षीय पीजी में प्रवेश की पात्रता शर्तों में बदलाव हुआ है। इसके अनुसार विद्यार्थियों ने जिन विषयों को यूजी में पढा है, उन्हीं से पीजी कर पाएगा। इन विषयों के अलावा अन्य विषय से पीजी करना चाहते हैं तो उन्हें उसकी पात्रता प्रवेश परीक्षा देकर प्राप्त करनी होगी। अब तक विभाग ने प्रवेश परीक्षा के संबंध में कोई गाइडलाइन नहीं बनाई है। इसके तहत तीन वर्षीय यूजी करने के लिए जिन विषयों को मेजर(मुख्य विषय) और माइनर विषय बनाया है, उसी से पीजी करने की पात्रता होगी।

इनका कहना...

कॉलेजों का सत्र एक जुलाई से ही शुरू होगा। विभाग की ओर से जल्द तैयारी पूरी कर ली जाएगी।

अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग

विचार-मंथन

जब भाषा बन जाए आत्मसम्मान का सवाल

हर सभ्य और संवेदनशील देश तथा समाज अपनी भाषा और संस्कृति को लेकर सतर्क रहता है। बिना अपनी भाषा का संरक्षण किए, अपनी संस्कृति की सुरक्षा नहीं की जा सकती। इस अर्थ में केंद्रीय गृहमंत्री का भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर दिया गया बयान महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि आने वाला समय भारतीय भाषाओं का होगा और अंग्रेजी बोलने वाले शर्म करेंगे। उनके बयान से इस उम्मीद को भी बल मिला है कि राष्ट्रभाषा का मसला सुलझ सकता है। अभी हकीकत यही है कि सेतु भाषा के रूप में स्वीकार की गई अंग्रेजी का वर्चस्व अधिक है। सरकारी कामकाज, न्यायालयों, शिक्षा, व्यापार आदि में हालांकि भारतीय भाषाओं का चलन पहले की तुलना में बढ़ा है, पर इतना नहीं कि अंग्रेजी विस्थापित हो सके। ऐसे में गृहमंत्री का बयान समझा जा सकता है। आजादी के बाद लगभग सर्वस्वीकृत था कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो सकेगी। पर ऐसा होना तो दूर, कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ इसका तालमेल अब तक ठीक से नहीं बन पाया है। अक्सर कुछ राज्यों से हिंदी को लेकर विरोध के स्वर उभरते देखे जाते हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र का मामला ताजा है, जहां शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र लागू करने के लिए संघर्ष देखा गया। हालांकि महाराष्ट्र ने अब हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में मान्यता दे दी है। आज जब ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में काफी तरक्की हो चुकी है, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व बढ़ता ही दिखाई देता है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते रहते हैं कि इस तरह आखिर भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार का रास्ता प्रशस्त कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार पर बल दिया गया है। मगर यह काम अपनी भाषा में ही संभव हो सकता है। अंग्रेजी में पहले ही बहुत सारी ज्ञान संपदा की गलत व्याख्याओं से सांस्कृतिक धुंधलका छा गया है। गृहमंत्री का

वक्तव्य इस संदर्भ में व्यापक अर्थवत्ता समेटे हुए है। यह सही है कि कई बार बदलते समय के मुताबिक भाषाओं को अपनी उपयोगिता सिद्ध करने में कठिनाई आती है, मगर भाषाओं का अस्तित्व केवल व्यापारिक-वाणिज्यिक जरूरतों से जुड़ा नहीं होता। गृहमंत्री ने इस संदर्भ में साहित्य का महत्त्व रेखांकित किया कि साहित्य हमारे समाज की आत्मा है। यह सदियों से हमारी संस्कृति, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा करता आया है। कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है। मगर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि भारतीय ज्ञान परंपरा को अवरुद्ध या कहीं-कहीं उसकी धारा को पूरी तरह खत्म कर देने में अंग्रेजी का बड़ा हाथ रहा है। जिसे भारतीय आत्मा कहा जाता है, उसकी रक्षा भारतीय भाषा के जरिए ही संभव है। हालांकि गृहमंत्री ने भी स्वीकार किया कि विदेशी पहचानों से मुक्ति पाने में वक्त लगेगा और भारतीय भाषाओं का वास्तविक स्वरूप विकसित होने में कुछ कठिनाई है, पर यह संभव होगा। भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन का जिम्मा चूंकि गृह मंत्रालय पर है, इसलिए यह माना जाना चाहिए कि गृहमंत्री जब अंग्रेजी को विस्थापित कर भारतीय भाषाओं का वर्चस्व स्थापित करने का दावा कर रहे हैं, तो निस्संदेह उनके मन में इसे लेकर कोई ठोस खाका है।

कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते के वैश्विक मायने क्या हैं?

कमलेश पांडे

इस रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके का भी जिक्र है। जिससे भारत के उस दावे को बल मिला है, जिसमें वह कहता रहा है कि कनाडा आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। एस्ट्रुस ने यह खुलासा किया कि पाकिस्तान, कनाडा में भारत के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है। यह भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत है। इससे यह साफ होता है कि भारत के विरोधी देश, दूसरे देशों की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल, यह बात तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की गत दिनों कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई और आपसी द्विपक्षीय रिश्तों को पुनः पटरी पर लाने के लिए बहुत ही सकारात्मक माहौल में बात हुई। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात को आधारभूत बताया था। इसका मतलब है कि दोनों देश पिछली बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हालांकि, भारत पिछली बातों को भूलने वाला नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच में कई रणनीतिक करार भी किये गए हैं, ताकि आपसी भरोसा और कारोबार दोनों बढ़े। इस हेतु राजदूतों की भी नियुक्ति कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी अलगाववादियों को लेकर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन अब कनाडा सरकार की इस आधिकारिक रिपोर्ट ने भारत की शिकायत को सही ठहराया है। बहरहाल, सीएसआईएस ने भी यह मान लिया है कि पाकिस्तान, कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ जारी गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। बता दें कि पीएम मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान खालिस्तानी समूहों ने उनको लेकर धमकियां देने तक की हिमाकत की थी। ऐसे

में सीधा सवाल उठता है कि क्या बिना कनाडा में उनसे सहानुभूति रखने वालों के शह और पाकिस्तान की बैकिंग के वह इतनी हिम्मत कभी जुटा पाते? इसलिए पूरक प्रश्न यही है कि जब कनाडा ने मान लिया कि पाकिस्तान-खालिस्तानियों की जुगलबंदी से उसकी धरती से भारत के खिलाफ हिंसक साजिशों को अंजाम दिया जा रहा है तो फिर उससे भारत क्या उम्मीदें कर सकता है? यही न कि कनाडा आतंकवादियों को भारत के हवाले करे, खालिस्तानी नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करे और अलगाववाद को आतंकवाद माने। वहीं, इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, +भारतीय अधिकारी जिनमें उनके कनाडा स्थित प्रॉक्सी एजेंट भी शामिल हैं, वे कई तरह की गतिविधियों में शामिल हैं। उनका उद्देश्य कनाडाई समुदायों और राजनेताओं को प्रभावित करना है। इसमें दावा किया गया है कि जब ये गतिविधियां भ्रामक, गुप्त या धमकी देने वाली होती हैं, तो उन्हें विदेशी हस्तक्षेप माना जाता है। हालांकि, भारत पहले से ही कनाडाई अधिकारियों की ओर से लगाए जाने वाले इस तरह के आरोपों को खारिज करता रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा के लिए सबसे बड़ा खुफिया खतरा चीन है। रिपोर्ट में इसके अलावा पाकिस्तान, रूस और ईरान का भी नाम लिया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हरदीप सिंह निज्जर मामले से भारत सरकार और आपराधिक नेटवर्क के बीच संबंधों का पता चला है। इसमें कहा गया कि खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा में भारतीय विदेशी हस्तक्षेप गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने निज्जर की मौत में अपनी संलिप्तता से साफ इनकार किया है और कनाडा की ओर से लगाए गए हस्तक्षेप के आरोपों को भी खारिज किया है। बता दें कि साल 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में तीखी तनातनी देखी गई थी। कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था। भारत ने इसके जवाब में कनाडा पर खालिस्तानी चरमपंथियों को पनाह देने और उनकी गतिविधियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। यक्ष प्रश्न है कि अब पाकिस्तान के साथ खालिस्तानियों की जुगलबंदी का क्या होगा, क्योंकि आतंकवाद पर कनाडा के कबूलनामे को भारत की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में बदलाव आया है, इससे खालिस्तानियों की बेचैनी बढ़ जाएगी। क्योंकि भारत ने कनाडा से साफ कहा है कि वह आतंकवादियों को सौंपे और खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करे। भारत ने 26 आतंकवादियों को सौंपने के लिए कहा है, जिनमें से सिर्फ 5 पर ही कार्रवाई हुई है। उम्मीद है कि इस मामले में कनाडा अब कार्रवाई करके दिखाएगा। इनमें अर्श डल्ला का मामला भी शामिल है, जिस पर भारत में 50 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। डल्ला को कनाडा की अदालत ने जमानत भी दे दी थी। भारत ने कनाडा से यह भी कहा है कि वह भगोड़ों को गिरफ्तार करे और रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई करे। लेकिन, कई मामलों में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे भारत नाराज है। हालांकि, कार्नी के लिए यह मुश्किल है कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक सिखों को नाराज किए बगैर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करें। कारण कि वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएसओ) जैसे संगठन कनाडा में काफी प्रभावशाली हैं। इसलिए, कनाडा के लिए आतंकवादियों पर कार्रवाई करना उतना आसान भी नहीं है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार में तो इसीलिए ऐसे भारत-विरोधी संगठन पूरी तरह से हावी हो चुके थे। हालांकि, राजनीतिक रूप से कार्नी उनको लेकर इतने मोहताज भी नहीं हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि भारतीय मूल के कनाडाई अलगाववादी वहां बहुत बड़े वोट बैंक बन चुके हैं। फिर भी, उम्मीद की किरण बची हुई है। क्योंकि दोनों देश आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाने पर बात कर रहे हैं। दरअसल, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का संदेश साफ है, %अब और ज्यादा दोहरा रवैया किसी भी देश का नहीं चलेगा।% भले ही कनाडा उदारवाद और बोलने की आजादी की बात करता है, लेकिन भारत के खिलाफ हिंसा करने वालों पर आंखें भी मूंदे नहीं रह सकता। यही वजह है कि कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात खत्म होते ही कहा, %अभी बहुत काम करना बाकी है।% भारत के लिए यह एक बड़ी जीत है कि दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात के बाद ही कनाडा की खुफिया एजेंसी भी अब भारत के दावों को स्वीकारने लगी है। एक तरह से यह कहा जा सकता है कि यह खालिस्तान समस्या का अंत तो नहीं है, लेकिन कनाडा की धरती पर इसकी शुरुआत हो चुकी है। स्पष्ट है कि यदि आप अमेरिका को कमजोर करना चाहते हैं तो कनाडा में आपकी स्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत होनी चाहिए।

समाज नहीं, खुद तय करें आप कौन हैं?

मनीष कुमार चौधरी

मुझे अपने बारे में और बताइए', अगर आपसे यह सवाल पूछा जाए, तो जवाब क्या होगा? बताएंगे कि आप क्या करते हैं या आप इस बारे में बात करेंगे कि आप कौन हैं? बहुत कम लोग वास्तव में खुद को जानने के लिए समय निकालते हैं। वे जीवन भर लगातार चीजों का पीछा करते रहते हैं। पैसा, प्रतिष्ठा, आराम और आनंद, ये सबको चाहिए। वे आमतौर पर अपने भीतर के आत्म और उसकी वास्तव में जरूरतों की उपेक्षा करते हैं। खुद को जानने और प्रामाणिक रूप से जीने में बहुत शक्ति है। सुकरात ने भी सहस्राब्दियों पहले कहा था- 'खुद को जानना ज्ञान की शुरुआत है।' खुद को जानने का मतलब है कि आपकी ताकत और कमजोरियां क्या हैं और आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है, यह समझना। यह आपके विचारों, भावनाओं और प्रेरणाओं के बारे में जागरूक होने के बारे में है, जो आपको बेहतर विकल्प बनाने और अधिक प्रामाणिक तथा पूर्ण जीवन जीने में मदद करता है। आपको आईने में देखना पसंद नहीं है। क्यों? लक्ष्य खुद की आलोचना करना नहीं है, बल्कि खुद के अलग-अलग हिस्सों को पहचानना है, अच्छे और बुरे दोनों ही। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो सूचनाओं, विचारों और एजेंडों से भरी हुई है। जितना अधिक समय आप उन पर ध्यान केंद्रित करने में लगाएंगे, उतना ही वे आपके विचारों, व्यक्तित्व और कार्यों को आकार देंगे। दुनिया को यह तय नहीं करना चाहिए कि आप कौन हैं। यह पूरी तरह से आप पर निर्भर है। आपको अपने दिमाग में जो कुछ भी घुसने देना है, उसके प्रति सख्त होना चाहिए। आप ही एकमात्र इंसान हैं जो आपको संपूर्णता में जान सकते हैं। हर दूसरे व्यक्ति के पास आपके बारे में सिर्फ अपनी धारणाएं हो सकती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप सही निर्णय लें, यह पता लगाएं कि आप कौन हैं। जब आप खुद को जान जाते हैं, तो जीवन काफी आसान हो जाता है। यह भावना हमें जीवन में अपना रास्ता तलाशने और हमारे अनुभवों को अर्थ देने में मदद करती है। इसके बिना हम 'खोया हुआ' महसूस करते हैं। जब हम दूसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और खुद की उपेक्षा करते हैं, तो हम खुद को और अपनी जरूरतों को पहचानने और महत्त्व देने में विफल हो जाते हैं। हम शर्मिंदा और अयोग्य महसूस करते हैं और परिणामस्वरूप खुद के कुछ हिस्सों को दफना देते हैं। खुद को खोजना

कोई लंबा-चौड़ा विज्ञान नहीं है, एक प्रक्रिया भर है। प्रसिद्ध दार्शनिक लाओत्से ने लिखा है, 'यदि आप दूसरों को समझते हैं, तो आप होशियार हैं। यदि आप खुद को समझते हैं तो आप प्रबुद्ध हैं।' यदि आप अपने बारे में या अपनी पसंद, इच्छाओं, मूल्यों या व्यक्तित्व के बारे में बिल्कुल भी नहीं जानते, तो जानिए आपके पास समस्याओं का पिटारा है। खुद को खोजने और परिभाषित करने की खोज कभी खत्म नहीं हो सकती। अगर आप खुद को समझ नहीं पा रहे हैं, तो कुछ खो रहे हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पूर्ण आत्म-ज्ञान का सपना अप्राप्य है और इसे हठधर्मिता से प्राप्त करने से आप भ्रमित भी हो सकते हैं। मनुष्यों की खुद को स्पष्ट और सटीक रूप से देखने की क्षमताएं सीमित हैं। कुछ व्यवहार और दृष्टिकोण अचेतन मन से उत्पन्न होते हैं, आपकी जागरूकता के क्षेत्र से बाहर। पूर्वाग्रह भी एक बाधा है। आत्म-ज्ञान की खोज तब भी मुश्किल होती है जब कोई व्यक्ति सोच-समझ कर, जानबूझ कर ऐसा करता है। ध्यान लगाना, समस्याओं को लिखना या खुद से कठिन सवाल पूछना बहुत फायदेमंद हो सकता है। लेकिन सक्रिय, सचेत आत्मनिरीक्षण का एक नकारात्मक पक्ष भी है- अत्यधिक चिंतन करना या किसी समस्या पर अड़े रहना। बार-बार उस पर विचार करना, जो चीजों को बदतर बना सकता है। लोग अपने जीवन में अच्छी चीजों के बारे में बहुत अधिक सोच कर भी खुद को कमजोर कर सकते हैं। कभी-कभी लोग अपने मन में आने वाले कारणों के आधार पर अपनी भावनाओं के बारे में एक नई कहानी बनाते हैं। आत्मनिरीक्षण किसी पुरातात्विक खुदाई की तरह है, संभव है आप अपने बारे में ऐसा कुछ जान लें, जिससे अब तक नितांत अपरिचित थे। अथवा ऐसा भी हो सकता है कि आप को अपने बारे में ऐसा कुछ भी न मिले, जिस पर आप गर्व कर सकें या उससे शक्ति और प्रेरणा पा सकें।

जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा में भारत की नसीहत के वैश्विक मायने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि, वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ग्लोबल साउथ के हिमायती भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद, व्यापार और विकास जैसे अहम वैश्विक मुद्दों पर दुनिया के प्रमुख नेताओं के साथ बातचीत के दौरान जो नसीहत दी, उसके वैश्विक मायने खास हैं और उन्हें समझने-समझाने की भी जरूरत है, ताकि भारत के मतदाताओं में अपने अंतरराष्ट्रीय हितों के प्रति भी जागरूकता पनपे और बढ़े। बता दें कि कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दोहराया और इस वैश्विक खतरे के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंक समर्थक देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी उनका इशारा अमेरिका, कनाडा, जापान, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूरोपीय संघ के उन देशों की तरफ था जो अमेरिकी अगुवाई में लोकतंत्र की बात तो करते हैं, लेकिन आतंकवादी समर्थक देशों को भी वित्तीय मदद देते व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दिलवाते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि, वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने यहां तक कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कार्रवाई में दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की पक्षपाती भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि, एक ओर हम अपनी पसंद के अनुसार विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध जल्दी से लगा देते हैं, वहीं दूसरी ओर जो देश खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। यह दोहरी नीति बंद होनी चाहिए। समझा जाता है कि पीएम मोदी का इशारा पाकिस्तान की तरफ था, जिसे अमेरिका-चीन दोनों का सहयोग व समर्थन हासिल है। यह भारत के लिए चिंता की बात है, क्योंकि वह भारत में आतंकवाद व अन्य खुराफातों को बढ़ावा देता है। भारत को टुकड़े करने के स्वप्न देखता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराया और पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की निंदा करने के लिए नेताओं का आभार जताया। उन्होंने आतंकवाद को बढ़ावा देने और समर्थन देने वालों के खिलाफ सख्त वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही पीएम मोदी ने जी-7 मंच से ग्लोबल साउथ के मुद्दे भी उठाए। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। प्रधानमंत्री ने जी-7 नेताओं के साथ अपनी बातचीत को उत्पादक बताया और कहा कि चर्चा वैश्विक चुनौतियों और बेहतर भविष्य की आशाओं पर केंद्रित रही। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान 'ग्लोबल साउथ' की चिंताओं और प्राथमिकताओं पर ध्यान दिए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को वैश्विक मंच पर पहुंचाना अपनी जिम्मेदारी समझता है।

इरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका का हमला, 1 दिन पहले ही पाकिस्तान सेना प्रमुख मुनीर ने ट्रंप का नाम शांति के नोबेल पुरस्कार के लिए भेजा

आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-3-6-9

वृषभ: [illegible] शुभांक-2-6-8

मिथुन: [illegible] शुभांक-4-7-9

कर्क: [illegible] शुभांक-1-3-5

सिंह: [illegible] शुभांक-2-6-8

कन्या: [illegible] शुभांक-3-7-8

तुला: [illegible] शुभांक-3-5-7

वृश्चिक: [illegible] शुभांक-5-6-8

धनु: [illegible] शुभांक-2-6-8

मकर: [illegible] शुभांक-4-6-7

कुंभ: [illegible] शुभांक-3-5-8

मीन: [illegible] शुभांक-2-5-7

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5636

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5635

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5636

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1963 को इस महिला ने जन्म लिया था जो अंतरिक्ष एजेंसी नासा के माध्यम से अंतरिक्ष जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला बनी (7)
6. [illegible] (3)
7. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
9. कम उम्र का लड़का (3)
10. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण इस नदी का एक नाम कालिंदी भी है (3)
12. [illegible] (4)
15. फन, हुनर (2)
16. पृथ्वी, धरती (1)
17. [illegible] (3)
18. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
20. नेपाल-तिब्बत सीमा पर पर्वतों पर आरोहण में निपुण पहाड़ी जन-जाति के लोग (3)
21. [illegible] (3)
22. [illegible] (2)
24. फटा हुआ कपड़ा, चीथड़ा (2)
25. बल, शक्ति, ताकत, दम (3)

ऊपर से नीचे

1. सुख देने वाला, सुखदायक (5)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (4)
4. [illegible] (4)
5. दो की संख्या, मिथुन (2)
8. [illegible] (4)
11. मेल-जोल का व्यक्ति (4)
13. युद्ध, लड़ाई (3)
14. [illegible] (5)
19. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
23. दुर्दशा, दुर्गति (2)

वर्ग पहेली 5635 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]		
[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]

दो दिवसीय स्केटिंग प्रतियोगिता का समापन

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई दसवीं जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता रंगारंग प्रोग्राम व पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न सभी आयु वर्ग के विजेता खिलाड़ियों को व राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया

अधिक जानकारी देते हुए स्केटिंग संघ के अध्यक्ष कपिल भंडारी व सचिव राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि दो दिवसी इस प्रतियोगिता में अंतिम दिन सुबह रोड रेस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में करनल शरद मोहन सिंह उपस्थित रहे उन्होंने खिलाड़ियों को खेल की महत्व के बारे में बताया व रोड रेस पर विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किया फाइनल रेस व समापन समारोह शाम को स्केटिंग ग्राउंड पर आयोजित हुआ जिस के मुख्य अतिथि मंदसौर जावरा संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर जी गुप्ता मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अतिथि गर्ग नगर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद थे। बच्चों को संबोधित करते हुए सांसद महोदय ने स्केटिंग संघ द्वारा योग दिवस पर दी गई प्रस्तुति की बहुत सराहना की व बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जो योग को महत्व दिया गया है मंदसौर के स्केटिंग खिलाड़ियों ने उसको एक नया रूप दिया है इससे माननीय प्रधानमंत्री जी को उनके द्वारा अवगत कराया गया है। माननीय कलेक्टर महोदया ने अपने उद्बोधन में इस आधुनिक खेल के बढ़ते क्षेत्र के बारे में बताते हुए निरंतर रूप से जुड़े रहने का संदेश दिया माननीय एसपी महोदय ने जिला स्केटिंग संघ के आयोजन की प्रशंसा की व मंदसौर जैसे शहर में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को अभिभावकों का स्केटिंग के प्रति रुझान देख हर्ष व्यक्त किया।

सर्वप्रथम आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का पुष्प माला से स्वागत किया गया उसके पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले निम्न खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया सीनियर नेशनल रोल बॉल तिरुचिरापल्ली तमिलनाडु में लाभांशी हेजू, वर्णिका उपाध्यक्ष, जलज सिसोदिया, तरण पाटीदार, जूनियर नेशनल कुरनूल आंध्र प्रदेश भव्य नाहर, भावेश आसवानी, लक्ष्य शर्मा, विनायक जैन हार्दिक जैन, देही शर्मा, दृष्टि शर्मा, आरोही शर्मा, दुर्वा काले, नीतिका पारीक मिनी नेशनल देहरादून उत्तराखंड शौर्यवीर सिंह चौहान, तत्वार्थ जैन, निश्चित श्रीवास्तव, हितांश सोनी, स्केटिंग नेशनल मैसूर कर्नाटक काव्यांशी चंद्रावत एसजीएफआई नेशनल दिल्ली जिनिशा व्यास वेस्ट जोन चैंपियनशिप रिंगस राजस्थान दिव्यांशु परमार, कनिष्क पवार, विशाल गहलोत, जय गुर्जर, महक पारीक, दक्ष पारीक, आरएसएफआई नेशनल रैंकिंग टूर्नामेंट अमृतसर पंजाब युग श्रीवास्तव, दानिया बनेटीया, नमन जैन कीर्ति सेठिया, हर्ष शर्मा, खुशी राया, सौम्य पारीक, लव कनौजिया, रिद्धिश भावसार, विनायक पालीवाल, ईशान हाडा, यशी जैन, निर्वाण कनेसरिया, मयंक होतवानी भावीका इसरानी वेस्ट जोन मिनी सतारा महाराष्ट्र श्रेष रतनावत, वेदांत होतवानी, मयंक होतवानी, दर्श भंडारी, केरव नहर, असीम खान, निर्वि जैन, प्रियांशी सारतलिया, यशी जैन , सीबीएसई वेस्ट जोन नड्याद गुजरात कार्तिक्य चौरड्या, कनिका मंगल, आरोन घोरपडे, देवल पोरवाल, नव्यं मारू, एलिस स्मार्ट, यूदित एरन, राजवीर दोषी, कनिष्कराज सिंह चंद्रावत, आदि को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को मेडल ट्रॉफी प्रदान किए गए। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभी अभिभावकों का वह संघ के पदाधिकारी का विशेष सहयोग रहा है जिसमें सचिन काले, लाभांशी हेजू, संयम पाटीदार, दिव्यांशु परमार, नितिन गौड़, सांवर खान, अनिल जैन, राजेश सेठीया, डॉक्टर वैभव निहारिका जैन, स्वप्निल नीलम घोरपडे, आशु स्मृति घोरपडे, जितेंद्र कनौजिया, अपेक्षा एरन।

मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के संकल्प को किया साकार-गुर्जर

डॉ. मुखर्जी के बलिदान से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा-दीक्षित

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को जिले के 1136 बूथों पर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर मंदसौर दक्षिण मंडल के वार्ड क्रमांक 36 पर, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित मल्हारगढ़ विधानसभा के मल्हारगढ़ मंडल के बूथ क्रमांक 52 पर, विधायक हरदीपसिंह डंग ने सुवासरा में, विधायक चन्दरसिंह सिसोदिया ने गरोठ विधानसभा के बोलिया में, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने मंदसौर दक्षिण मंडल के वार्ड क्रमांक 32 में, पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ गरोठ विधानसभा के सांदलपुर, सहकारीता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर ने उत्तर मंडल के वार्ड क्रमांक 6 में, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार मंदसौर उत्तर मंडल के नमो उपवन में, नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने मंदसौर उत्तर मंडल के वार्ड क्रमांक 1 और 5 में, सहित पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पदाधिकारीयों एंव कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण भी किया।

राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कार्यकर्ताओं संबोधित करते हुए कहा की कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे महानायक थे जो आजादी के पहले और बाद की विभीषिका को भांप लिया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी से पहले अंग्रेजों के बंगभंग करने की साजिश को भांपकर आंदोलन चला दिया था। देश के लिए अपना बलिदान देने वाले ऐसे सपूत को श्रद्धांजलि देने हम यहां एकत्रित हुए हैं जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मौलिक चिंतक, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थे। श्री गुर्जर ने कहा की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा की। ऐसे राष्ट्रनायक का स्मरण करना मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय चरित्र को सशक्त करने का माध्यम है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे महानायक थे जो आजादी के पहले और बाद की विभीषिका को भांप लिया था। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय इतिहास की एक ऐसी महान विभूति थे, जिनका जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और दृढ संकल्प का प्रतीक रहा है। वे केवल एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक विचारक, शिक्षाविद् और देशभक्त भी थे, जिनके संकल्प आज भी हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। आज ऐसे सपूत को श्रद्धांजलि देने हम यहां एकत्रित हुए हैं जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 हटाकर पार्टी के सकल्पों को पूरा किया है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान का विरोध करते हुए बलिदान दिया। हमारी पार्टी बलिदान के आधार पर बनी पार्टी है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। देश के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर महापुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के श्री चरणों में आज मध्यप्रदेश भाजपा का हर कार्यकर्ता श्रद्धा सुमन अर्पित करता है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्षगण उमेश पाटीदार, आदित्य मंगरोलिया, गोकुलसिंह चौहान, सीताराम चारण, महेन्द्र पहाडिया, नीलकमल मेहता, दिलीप सिंह तरनोद, जुझार सिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेंद्र सिंह गौड, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराणा, गोपाल पाटीदार, नेपाल सिंह सिसोदिया, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार सहित जिला एंव मंडल पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

दसवें दिन शिविरों में विभिन्न विभागीय गतिविधियां होगी

नीमच, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान तहत जिले में चिन्हित जनजातीय बाहुल्य ग्रामों तथा दूरस्थ बस्तियों में आज 24 जून 2025 को दसवें दिन आयोजित होने वाले शिविर में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की जानकारी दी जाकर, हितग्राहियों के चयन के लिए आवेदन पत्र प्राप्त कर लाभान्वित किया जावेगा। जिले में सोमवार को जिले के चयनित 17 ग्रामों में आयोजित शिविरों में 168 ग्रामीणजन उपस्थित थे। मत्स्य पालन के लिए 4 आवेदन पत्र तथा पशुपालन से संबधित 21 आवेदन एवं अन्य योजनाओं में 07 आवेदन एवं ईकेवायसी के लिए 55 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया जा रहा हैं।

नपाध्यक्ष ने अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपा

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। पिछले माह नगर पालिका के कर्मचारी बाबूलाल पंवार की आकस्मिक मृत्यु हो गई थी सफाई मित्र के पद पर कार्यरत श्री बाबूलाल पंवार की आकस्मिक की मृत्यु होने से उनके पुत्र किशन पंवार के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति हेतु शासन के नियमों के अनुसार आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया नपाध्यक्ष श्रीमति रमादेवी गुर्जर के द्वारा उक्त प्रकरण में तत्परता दिखाते हुए शासन से अनुकंपा नियुक्ति की स्वीकृति प्राप्त की गई, कल सोमवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने स्वर्गीय श्री बाबूलाल पवार के पुत्र श्री किशन पंवार को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश पत्र सौपा इस अवसर पर नगर पालिका सभापति निलेश जैन, श्रीमती निर्मला चंदवानी पार्षद आशीष गौड़ भा.ज.पा. नेता राजेश गुर्जर व नगर पालिका कर्मचारी विनोद गुर्जर दशरथ टांक भी उपस्थित थे

पेंशनर संगठनों ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के आव्हान पर भारत पेंशनर समाज, प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन, जिला पेंशनर एसोसिएशन म.प्र. विद्युत मण्डल एवं रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन जिला शाखा मंदसौर के संयुक्त आव्हान पर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर मंदसौर के प्रतिनिधि श्री रघुनाथ मचार नायब तहसीलदार को भारत पेंशनर समाज के अध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा, संरक्षक डॉ. रमेश देवडा, कार्यवाहक अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, गोविन्दसिंह पंवार, प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश नागर, उपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह चौहान, दिनेश आचार्य, जिला पेंशनर एसोसिएशन एम.पी.इ.बी. के राजेन्द्रसिंह चौधरी, रमेश मालवीय, पी.एल. कुमावत, अर्जुन झलोया, रि. डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन के सुनील व्यास, आर.जी. गुप्ता, हरीश बोराणा, जी.पी. नागर, टी.आर. कोल्हेकर, दिलीप जोशी, के नेतृत्व में दिया गया। ज्ञापन में प्रमुख मांगे केंद्र सरकार ने आठवे वेतन आयोग, जो की 01 जनवरी 2026 से केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनर्स पर लागू होगा, में केंद्र सरकार ने अपनी कैबिनेट में एक प्रस्ताव पास कर 25 मार्च 2025 को

केंद्रीय सिविल सेवा अधिनियम (सीसीएस) में संशोधन कर सदन में पास करा लिया है। जिसके अनुसार आठवें वेतनमान का लाभ पुराने पेंशनर्स (ओपीएस) को नहीं दिया जाएगा। सरकार के इस कदम का केंद्र व राज्य के सभी पेंशनर्स संघो ने विरोध करना शुरू कर दिया है। जिसके निराकरण की मांग ज्ञापन के माध्यम से की गई।

इसके साथ ही म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री के नाम लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत के आदेश जारी करने एवं लंबित एरियर के भुगतान का भी ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में वल्लभ बघेरवाल, नरेन्द्रसिंह चौहान, बी.एस. सिसौदिया, विक्रमसिंह राणाखेडा, कन्हैयालाल भावसार, दिलीप काले, जयचंद पाटीदार, हेमराज खाबिया, ओ.पी. मिश्रा, भूपेन्द्र तिवारी, ब्रजेन्द्रसिंह चौहान, सुरेश व्यास, सुरेश पंड्या, श्री पाटीदार, घनश्याम चौहान, सुधीर चांदेकर, सुमतिलाल जैन, दिनेश पालीवाल, शंकरलाल सूर्यवंशी, प्रकाश पटवारी, भारतसिंह सिसौदिया, अर्जुनसिंह सिसौदिया, महावीर रघुवंशी, सुधीर असेकर, सुभाष पाटीदार, प्रकाश पारनेरकर, नरेन्द्र सैनी, घनश्याम सैनी, घनश्याम चौहान, नंदलाल राठौर, के.एन. सक्सेना, मांगीलाल परमार आदि अनेकों पेंशनर्स उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन इंजि. सुनील व्यास ने किया एवं आभार सतीश नागर ने माना। उक्त जानकारी कार्यवाहक अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा द्वारा दी गई।

विवेकपूर्ण आहार, विहार, विचार से व्यक्ति स्वस्थ रहता है-पोरवाल

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। शिक्षाविद् श्री मांगीलाल पोरवाल ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। स्वस्थ रहने के लिए विवेकपूर्ण आहार, विहार और विचार जरूरी है। सुनियोजित दिनचर्या, पर्याप्त श्रम व विश्राम रोगो से दूर रहने का सूत्र है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि तीर्थंकर श्री नेमीनाथ ने करूणा, दया और संवेदना का संदेश दिया है। उनके विवाह समारोह मे अतिथियो के लिये मासांहार के प्रबंध के लिए वध करने हेतु पशु एकत्र किये गये थे। उन्होने पशुओं की करूण पुकार सुनी और विवाह का विचार ही त्याग दिया। निवृति मार्ग अपना कर दीक्षा ग्रहण कर ली। तप और साधना के बाद उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हुआ वे तीर्थंकर बने। उन्होने प्राणी मात्र के प्रति दया भाव व अहिंसक व्यवहार का उपदेश दिया। श्री राजकुमार जसवंत, श्री यशवंत प्रजापति, श्री विनोद शर्मा ने विचार रखे। श्री सुरेश पण्ड्या, श्री जगन्नाथ थोरेचा, श्री चन्द्रशेखर राजा सोनी, श्री सुधीर कोठारी, श्री प्रहलाद मालवीय ने मंगलाचरण व गीत, भजन प्रस्तुत किये। श्री शंकरलाल त्रिवेदी, श्री प्रदीप भाटी, श्री शांतिलाल सोनी, श्री महेंद्र खाबिया, श्री त्रिलोचनसिंह छाबडा, श्री शांतिलाल ब्रिजवानी ने सहभागिता की। श्री विनोद शर्मा, श्री सत्यनारायण भूरिया, श्री नरेन्द्र खण्डेलवाल का तीर्थयात्रा व जन्म दिन वर्षगांठ पर स्वागत किया गया। संचालन आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने व आभार प्रदर्शन सांई मंदिर प्रबंधक श्री निरंजन भारद्वाज ने किया।

गायत्री परिवार द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कालाखेत बावड़ी में किया श्रमदान

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। कालाखेत में प्राचीन बावडी स्थित है। जहां पर गायत्री परिवार द्वारा विगत 15 वर्षों से समय-समय पर श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया जाता है। यह मंदसौर नगर के मध्य स्थित ऐसी बावडी है जहां का जल कभी कम नहीं होता है। लेकिन यहां गंदगी होने से इसका पानी उपयोग में नहीं आता है। गायत्री परिवार ने यहां पर अभियान चलाकर सफाई की गई।

गायत्री परिवार के श्रमदानियों ने अपना समय देकर जल अभियान, जल बचाओ अभियान के तहत बावड़ियों, नदी की सफाई व तालाबों की सफाई की जा रही है। आम जनता भी इस अभियान से जुड़े। गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस बावडी का जल चर्म रोग को दूर करने में किया जाता है। क्षेत्र के निवासी ललितजी ने बताया कि काफी दूर से यहां लोग जल भरकर ले जाते है और स्नान भी करते है। शासन प्रशासन को ऐसे जलस्त्रोतों को चिन्हित करके इनका संरक्षण किया जाना चाहिए। अगर बावडिया सुरक्षित रहेगी तो आसपास क्षेत्र के निवासियों को जलसंकट का सामना नहीं करना पडेगा। श्रमदानी रमेश सोनी ने कहा कि साल भर पहले प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि बावडी पर जाली लगाई जाएगी और जो सीढिया टूट गई है उनको भी दुरूस्त किया जाएगा। लेकिन यह कार्य आज तक नहीं हुए है। डॉ. राधेश्याम शर्मा ने अपना अमूल्य समय लेकर बावडी की सफाई में श्रमदान किया और कहा कि श्रम से व्यक्ति के विचार सही रहते है और धरती मॉ का आशीर्वाद मिलता है। यहां शासन जाली लगाने का कार्य करे तथा जो बावडी में कचरा डाले उन पर चालानी कार्यवाही करे। गायत्री परिवार द्वारा मिशन 2026 के तहत रचनात्मक कार्य चल रहे है। पार्क सफाई, बावडी सफाई, पर्यावरण संरक्षण के तहत पेड लगाये जा रहे है। नशा भारत छोडों अभियान चलाया जा रहा है। गायत्री परिवार के सात आंदोलन है। भारतीय संस्कृति ज्ञान, बाल संस्कार शाला भी नगर में चलाई जा रही है। प्राकृतिक चिकित्सा की भी जानकारी दी जाती है। श्रमदान में ललित, राहुल खिलची, अभिषेक, नितिश, चेतन, रमेश सोनी, डॉ. राधेश्याम शर्मा, योगेशसिंह सोम, बावेल बहन आदि ने भाग लिया।

सिंधी समाज के मेधावी छात्र, डॉक्टर व चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान समारोह 29 को

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था जय रामजी की प्रयास सेवा समिति की वार्षिक जनरल बैठक विगत दिवस को स्थानीय श्री वरुणदेव मंदिर शुक्ला चौक में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता दुर्गेश बेलानी ने की।

बैठक में समिति का 2024-25 का हिसाब प्रस्तुत किया गया व समाज के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं सीए और डॉक्टर डे के कार्यक्रम की व्यवस्था के लिए चर्चा की गई। साथ ही गुरु पूर्णिमा महोत्सव की व्यवस्था के लिए चर्चा की गई। तत्पश्चात बैठक में, समाज के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं सीए और डॉक्टर डे का कार्यक्रम दिनांक 29 जून 2025 रविवार को करना तय हुआ कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन श्री दिनेश चंदवानी बनाए गए। तथा गुरु पूर्णिमा महोत्सव दिनांक 10 जुलाई 2025 गुरूवार को मनाना तय हुआ, कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन श्री दुर्गेश बेलानी बनाए गए। बैठक में समिति के वरिष्ठ सदस्य श्री वासुदेव सेवानी, समिती अध्यक्ष प्रकाश लालवानी, दिनेश चंदवानी जितेन्द्र हरवानी, ललित हरवानी, हेमंत पमनानी, हीरालाल मनवानी, कमलेश बुलचंदानी, प्रदीप चंदवानी, प्रदीप तेजवानी, रूपकुमार चंदवानी, शंकर बेलानी, प्रकाश बेलानी, रोहित लालवानी, दिलीप साधवानी आदि सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन समिति सचिव सी. पी. आडवानी ने किया व आभार समिति कोषाध्यक्ष शिव कुमार चंदानी ने माना।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद की प्रथम जिला बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद की प्रथम जिला बैठक जिला अध्यक्ष कपिल मावर के नेतृत्व में

जिला सदस्यों की उपस्थिति में सेकंड होम होटल - रेस्टोरेंट पर सम्पन हुई जिसमें आगामी हरियाली अमावस्या पर जिले में वृहद स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प एक पेड़ माँ के नाम पर पौधरोपण करने की योजना बनी जिसमे सभी सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र, कॉलोनी, खेत, धार्मिक स्थान पर एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण करने की अपनी सामुहिक स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर राधेश्याम राठौर,मुकेश गुप्ता,महेन्द्र सिंह राणा,राकेश कुमावत,पंडित दिलीप दुबे,निलेश कुमावत, देवेंद्र खत्री,राजेश पंवार, राजेन्द्र खंडेलवाल,योगेश कुमावत, संजीव करवरिया,राकेश परमार,दीपक सिंह मोहनिया,अर्पित श्रीवास्तव,कमलेश व्यास,मुकेश भटेवरा,शुभम शर्मा आदि परिषद के अनेक सदस्य उपस्तिथ थे। बैठक का संचालन राधेश्याम राठौर ने किया अंत में आभार मुकेश गुप्ता नाहरगढ ने माना।

सीए ब्रांच के विद्यार्थी टैलेंट हंट में भाग लेने के लिये गाजियाबाद रवाना

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा 25 जून को गाजियाबाद में सीए विद्यार्थियों के लिये रीजनल स्तर पर टैलेंट हंट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये आज मन्दसौर ब्रांच के 2 विद्यार्थी गाजियाबाद के लिये रवाना हुए।

विद्यार्थियों को विदाई देने के लिये मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया, उपाध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल, सचिव सीए नितेश भदादा, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागर, सीपीई कमेटी चेयरमैन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल व सिकासा चेयरमैन सीए अर्पित मेहता उपस्थित थे। ब्रांच अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि गाजियाबाद में रीजनल स्तर पर आयोजित होने वाली टैलेन्ट हंट में सेंट्रल इंडिया रीजन के लगभग 80 विद्यार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। इसमें मन्दसौर ब्रांच से भी दो विद्यार्थी किसले सैनी व उदित अग्रवाल अपनी सहभागिता दर्ज कराने के लिये आज गाजियाबाद रवाना हो रहे हैं। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के पांचों रीजन के विजेता विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली टैलेन्ट हंट में हिस्सा लेंगे। मन्दसौर सीए ब्रांच मैनेजिंग कमेटी के सदस्यों ने दोनों विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

एक और निराश्रित का अंतिम संस्कार किया समाजसेवी बंसल ने

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय से समाजसेवी सुनील बंसल के पास सुबह 10 बजे चौकी प्रभारी नासिर दडवाल का फोन आया कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीज मांगीलाल पिता भेरुजी जाति भील जो पिछले तीन-चार दिन पहले भर्ती कराया था बीमारी की अवस्था में उनकी मृत्यु हो गई है उनके आगे पीछे कोई नहीं है उनका अंतिम संस्कार करना है। सूचना मिलते ही बंसल तुरंत अंतिम क्रिया का सामान लेकर मोक्ष रथ लेकर जिला चिकित्सालय परिसर में पहुंचे। सनातन हिंदू धर्म के रीति रिवाज से मोक्ष रथ से रामधुन के साथ जिला चिकित्सालय गांधी चौराहा बस स्टैंड कैलाश मार्ग होते हुए शिवना नदी स्थित मुक्तिधाम पर ले जाकर उसका सनातनी हिंदू धर्म रीति से अंतिम संस्कार किया। मुखाग्नि सुनील बंसल ने दी। दिवंगत व्यक्ति को तीन-चार दिन पहले मीडिया कर्मी जो जिला चिकित्सालय में काम से गए थे वहां गेट के बाहर बीमार अवस्था में था उसे सहयोग करके भर्ती कराया था। फरदीन ने बंसल को उससे मिलने के लिए भी कहा कि अपन उससे मिलकर आते हैं पर समय नहीं चाहता था कि उनसे मुलाकात करें 2 दिन में कोई मुलाकात नहीं कर पाए, और वह प्रभु को प्यारे हो गए। मृतक का नाम मांगीलाल पिता भेरुजी जाति भील उम्र 28 साल निवासी झाबुआ के आसपास कहीं का यहां पर उसका आधार कार्ड वार्ड 33 खानपुरा रामघाट के पास का बना हुआ है। उसकी जेब में से एक क्रेडिट कार्ड और एक पैन कार्ड भी प्राप्त हुआ और 25 भी उसकी जेब से प्राप्त हुए। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि मृत आत्मा को प्रभु अपने श्री चरणों में स्थान दें।

नवनियुक्त सिपाही धैर्य एवं अनुशासन के साथ दायित्वों का निवर्हन करें-दत्तान

केरिपु बल के 143 नवनियुक्त सिपाहियों की शपथ ग्रहण परेड सम्पन्न

नीमच, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नीमच (मध्य प्रदेश) में सोमवार को कुल 143 नव नियुक्त सिपाही, ट्रेडसमैन के सत्यापन सह शपथ ग्रहण परेड समारोह सम्पन्न हुआ। सत्यापन सह शपथ ग्रहण परेड समारोह के मुख्य अतिथि सी.टी.सी.प्राचार्य श्री संदीप दत्ता, ने परेड की सलामी ली। इस अवसर पर उप कमाण्डेंट श्री आशीष भटनागर, सहायक कमाण्डेंट श्री राजेश पंचाल, एवं केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारीगण, जवान एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये उनके परिजन भी उपस्थित थे। उप प्राचार्य, सी.टी.सी. श्री आशीष भटनागर ने मुख्य अतिथि एवं अतिथिगणों का स्वागत किया।

सिपाही, ट्रेडसमैन बुनियादी प्रशिक्षण क्रम संख्या-01 का प्रशिक्षण 24 फरवरी 2025 से आरम्भ हुआ था। 16 सप्ताह के प्रशिक्षण अवधि के दौरान इन्हें बल के अनुशासन, परम्परा के साथ-साथ, शारीरिक दक्षता, हथियारो का संचालन, के.रि.पु.बल के नियम तथा अधिनियम तथा संबंधित ट्रेड का गहन प्रशिक्षण भी दिया गया है। प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रशिक्षुओं का चयन एवं उन्हे पुरस्कारों का वितरण किया गया। ये नव नियुक्त सिपाही, ट्रेडसमैन बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण कर संबंधित बटालियनों, कार्यालयों में रिपोर्ट करेंगें तथा अपने-अपने ट्रेड से संबंधित कार्यो को पूर्णत: जिम्मेदारी से निर्वहन करेंगें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संदीप दत्तो ने नव नियुक्त सिपाही, ट्रेडसमैन को संबोधित करते हुए कहा, कि प्रशिक्षण अब समाप्त हो गया है, लेकिन वास्तविक परीक्षा अब शुरू होगी, उन्होने नव नियुक्त सिपाही,ट्रेडसमैन को अपने कार्यों के प्रति ईमानदारी, लगन, मेहनत तथा सभी परिस्थितियों में धैर्य एवं अनुशासन का पालन करने का आव्हा न किया। इस अवसर पर इन नव नियुक्त सिपाही, ट्रेडसमैन परिवारों के सदस्यगण भी उपस्थित थे। अभिभावकों के आर्शीवचन इन नव नियुक्त सिपाही, ट्रेडसमैन को अपनी ड्यूटी निर्वहन के लिए प्रोत्साहित करेगा। परेड के बाद इन नव नियुक्त सिपाही, ट्रेडसमैन ने विभिन्न शारीरिक गतिविधियों एवं रणकौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन फोटोग्राफी सत्र के साथ हुआ।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	17	2100	2212
उडद	8	4400	6300
सोयाबीन	3856	3881	4396
गैहु	4468	2315	2705
चना	162	4700	5489
मसुर	47	5800	6351
धनिया	100	3940	6700
लहसुन	13000	3001	9100
मैथी	350	3300	5300
मुंगफली	665	3801	5360
अलसी	589	7001	7293
सरसो	205	5999	6512
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	37	9000	10393
प्याज	1797	260	1246
कलोंजी	13	18500	19400
तुलसी बीज	11	11601	13881
डॉलर	27	5801	7500
तिल्ली	187	6001	9100
जौ	20	2290	2290
मटरसुखी	5	3100	3751
असालीया	9	6101	6330
चियाबीज	11	11500	14501

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में होगा राईज 2025 कॉन्क्लेव का आयोजन

एमएसएमई के क्षेत्र में नए युग की शुरुआत करेगा रतलाम

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 27 जून को रतलाम में आयोजित होने जा रहा RISE 2025 कॉन्क्लेव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में नए युग की शुरुआत करेगा। यह आयोजन प्रदेश में उद्यमिता, रोजगार और नवाचार की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 350 करोड रूपये से अधिक लागत की 35 से अधिक औद्योगिक अधोसंरचना परियोजनाओं, क्लस्टरों और विभागीय भवनों का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे। साथ ही 1500 करोड रूपये से अधिक निवेश की 50 नई औद्योगिक इकाइयों की आधारशिला भी रखी जाएगी। प्रदेश में युवाओं को रोजगार से जोडने की दिशा में यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पडाव साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 500 उद्यमियों को आशय पत्र और भूमि आवंटन प्रदान किया जाएगा। साथ ही 500 आकांक्षी युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर सौंपे जाएंगे। लोकमाता देवी अहिल्याबाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 100 से अधिक लाभार्थियों को अनुदान राशि वितरित की जाएगी। कार्यक्रम में ओएनडीसी, एनपीसीआई और वालमार्ट जैसी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे जिससे प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों को निर्यात, डिजिटल भुगतान और नए बाजारों तक पहुंच की दिशा में शानदार अवसर मिलेंगे।

औद्योगिक अधोसंरचना में होगा बड़ा विस्तार– कॉन्क्लेव में 97.73 हेक्टेयर के 596 भूखंडों पर 89.91 करोड रूपये से विकसित होने वाले 8 औद्योगिक परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया जाएगा। साथ ही 231.534 हेक्टेयर के 795 भूखंडों पर 152.21 करोड रूपये से विकसित होने वाले 8 औद्योगिक क्षेत्रों का लोकार्पण किया जायेगा। इसके अलावा, निजी और विभागीय भूमि पर विकसित 15 क्लस्टरों का भी भूमि पूजन होगा, जिनकी संयुक्त विकास लागत लगभग 105 करोड रूपये है।

मध्यम श्रेणी की इकाइयों से निवेश और रोजगार को मिलेगा बल– मुख्यमंत्री डॉ. यादव कान्क्लेव में 32 मध्यम श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण करेंगे। जिनमें कुल 858.74 करोड रूपये का पूंजी निवेश प्रस्तावित है जिससे 2000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

विभागीय भवनों का भी होगा लोकार्पण– मुख्यमंत्री डॉ. यादव रतलाम कॉन्क्लेव में निवाडी, आगर मालवा और रायसेन जिलों में 4.22 करोड रु. की लागत से बनने वाले नवीन जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र भवनों का लोकार्पण करेंगे।

प्रदेश की क्षमताओं को दर्शाएगी प्रदर्शनी– कार्यक्रम स्थल पर 100 से अधिक एमएसएमई इकाइयों, स्टार्ट-अप्स और स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादों और नवाचारों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। यह प्रदर्शनी प्रदेश की विविधतापूर्ण उद्यमिता को सामने लाने का एक प्रभावी मंच बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह आयोजन न केवल रतलाम, बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश की औद्योगिक दिशा को एक नई पहचान और ऊर्जा देने जा रहा है।

बालक तथा बालिका छात्रावास में कलेक्टर या भोपाल अधिकारी औचक रूप से करें निरीक्षण

राजू सोनी

नाहरगढ़, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। बालक तथा बालिक छात्रावास कितनी सरकार मानक अनुसार व्यवस्था हैं। सरकार के मापदंडों के स्वरूप सुष्मिता से जांच होना चाहिए. कलेक्टर तथा समस्त शिक्षा विभाग के अधिकारियों को औचक निरीक्षण करना बहुत आवश्यक है। निरीक्षण के लिए, छात्रावास वार्डन या अधीक्षक को नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए। छात्रावास के अधिकारियों द्वारा जो निरीक्षण किया जाता उसमें औपचारिकता पूर्ण कर कागजी कार्रवाई करने सक्षम रहते हैं। कमरों, सामान्य क्षेत्रों और छात्रावास की सुविधाओं का निरीक्षण शामिल है। निरीक्षण का उद्देश्य छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना है।

छात्रावास के समय-समय पर निरीक्षण के लिए, निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए– ❊सुरक्षा– छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था की जांच करें, जैसे कि सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड, और आपातकालीन निकास। यह सुनिश्चित करें कि सभी दरवाजे और खिड़कियां ठीक से बंद हैं और कोई भी असुरक्षित क्षेत्र नहीं है। छात्रों को सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

❊ स्वच्छता:– छात्रों के कमरों और सामान्य क्षेत्रों की सफाई की जांच करें। यह सुनिश्चित करें कि कूड़ा-कचरा नियमित रूप से हटाया जाता है और छात्रावास परिसर साफ-सुथरा है। छात्रों को अपने कमरे और छात्रावास परिसर को साफ रखने के लिए प्रोत्साहित करें।

❊ सुविधाएं:– छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, जैसे कि बिजली, पानी, और इंटरनेट की जांच करें। यदि अधिकारी औचक निरीक्षण करेंगे तो धरातल की स्थिति पता चलेगी , मौजूदा हालत केवल चाय पानी बिस्कुट लेकर चले जाने से कुछ पता नहीं चलेगा.? छात्र, तथा छात्राओं हित में पूरी ईमानदारी ध्यान देने की जरूरत हैं ।सुनिश्चित करें कि ये सुविधाएं ठीक से काम कर रही हैं और छात्रों लिए उपलब्ध हैं। या नहीं.?

यह सुनिश्चित करें कि छात्र छात्रावास के नियमों का पालन कर रहे– यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्रावास का वातावरण छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ है, छात्रावास के समय-समय पर निरीक्षण करना महत्वपूर्ण है।, छात्रों को अपने कमरे साफ-सुथरे रखने चाहिए और कमरा खाली करते समय उसे अच्छी स्थिति में वापस करना चाहिए। इन सबका कितना ख्याल रखा जा रहा है या तो छात्रावास जिम्मेदार ही जाने कि छात्रावास के प्रति उनकी कतनी जिम्मेदारी तथा ईमानदार से काम करने की इच्छा शक्ति है। वह तो मौजूदा जिले के उच्च अधिकारियों जिले तथा भोपाल द्वारा औचक निरीक्षण करने पर पता चलेगा.? मौजूदा छात्र तथा छात्राओं जिम्मेदारी कैसे जिम्मेदारी साथ पूरी की जारही है.?

नवीन डिवाईडर मार्ग पर नहीं चालू हुई लाईट, राहगिरों को परेशानी

नवीन डिवाईडर मार्ग पर अभी तक लाइट व्यवस्था प्रारंभ नहीं

सुवासरा, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा से रुणीजा बनी सडक के अंतर्गत नगर में तहसील कार्यालय से लेकर गणेश भोजनालय तक कंपनी के द्वारा डिवाइडर रोड का निर्माण किया गया। इसके साथ ही कंपनी के द्वारा डिवाइडर में 25 लाख की लागत से पौधारोपण और प्रकाश व्यवस्था के लिए सुसज्जित ट्यूबलर पोल लगाए गए। 25 जून बुधवार को विधायक हरदीपसिंह डंग और परिषद अध्यक्ष सविता परिहार के द्वारा हनुमान चालीसा पाठ के साथ ट्यूबलर लेम्प का शुभारंभ किया जाएगा। एक महीने पहले सडक निर्माण कंपनी ने सभी निर्माण कार्य पूर्ण कर डिवाइडर पर लगे ट्यूबलर पोल पर प्रकाश व्यवस्था को पूर्णरूप से परीक्षण कर नगर परिषद के हवाले कर दिया। लेकिन उदासीन परिषद की कार्य प्रणाली के चलते नवीन डिवाइडर मार्ग पर अभी तक लाइट व्यवस्था को प्रारंभ नहीं की गई थी। इस मार्ग पर प्रतिदिन सैकडो महिलाएं बच्चे एवं पुरुष रात्रि भ्रमण के लिए निकलते हैं। लेकिन शनि मंदिर से लेकर गणेश भोजनालय तक बने इस डिवाइडर के बीच मार्ग में चारों ओर अंधेरा रहता है। इस कारण से कभी-कभी तेज गति से आने जाने वाले वाहनों के कारण दुर्घटनाए भी होती रहती है। उसके बाद भी परिषद ने पोल पर लगी लाइटों को अभी तक चालू नहीं किया। परिषद के एक पार्षद ने बताया था कि एक नेताजी से इसका शुभारंभ करवाना है जिसके चलते लाइट चालू करने में देरी हो रही है। जब अध्यक्ष प्रतिनिधि से इस बारे में पूछा गया था। तो उन्होंने लाइट चालू में देरी होने का कारण कुछ लाइट पोल में खराबी होना बताया था। लेकिन अब उस पार्षद की बात सत्य साबित हो रही जिसने कहा था कि नेताजी चाहेंगे उसी दिन लाईट चालू होगी।

नगर की खूबसूरती बढ़ाते इस डिवाडर को परिषद ने सभी कार्य पूर्ण होने के बाद भी एक महीने से अंधेरे में धकेल रखा है। मीडिया में मामला आने और युवा शिवसेना के द्वारा दिये अल्टीमेटम के बाद परिषद को लाईट चालू करने की याद आयी। नगर में कई विकास कार्य प्रारंभ होकर बंद पडे हुए हैं । नए डिवाइडर पर लगी लाइट आखिरकार विधायक की स्वीकृति के बाद ही चालू होगी। इसके साथ ही गायत्री मंदिर परिसर में 1लाख पचास हजार की लागत लगने वाले शेड का भी भूमिपूजन विधायक के द्वारा किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ बालाराम परिहार ने बताया कि 25 जून को नए डिवाइडर पर लगे पोल की लाइट विधायक के द्वारा प्रारम्भ कर दी जाएगी।

रपटे या पुल-पुलिया पर बाढ़ का पानी हो तो पार न करें-मुख्यमंत्री

प्रदेश में मानसून की सक्रियता के चलते मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से की अपील

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मानसून सक्रिय हो गया है। लगभग सभी जिलों से बारिश होने की सूचनाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा है कि यदि आवागमन के दौरान सड़क पर या किसी पुल-पुलिया में बाढ़ का पानी तेजी से आ रहा हो,तो नागरिक उसमें आने-जाने से बचें। उन्होंने कहा कि जोखिम पूर्ण यात्रा करने से बचे। सजग रहें और सावधानी बरतें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में मानसून की सक्रियता के चलते प्रदेश के सभी नागरिकों से यह अपील की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा है कि वे प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी करा रहे हैं कि किसी भी जिले में वर्षा के चलते नागरिकों को परेशानी न आने पाए। ऐसे नाले, रपटे, छोटे-बड़े पुल-पुलिया जहां बारिश का जल तेजी से बढ़ता है और दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां पर भी सुरक्षा की अतिरिक्त सावधानियां बरती जाएं। वर्षा के चलते किसी भी प्रकार के जान-माल की नुकसानी न होने पाए, हम सबका यही प्रयास होना चाहिए। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने आवागमन के समय, जहां कहीं भी बारिश का पानी बढ़ रहा है या बाढ़ का पानी आ रहा है, अगर पानी तेजी से बढ़ता दिख रहा है, तो वहां आने-जाने से बचें, क्योंकि यह बेहद जोखिमभरा हो सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल-कॉलेज-कोचिंग जाने वाले विद्यार्थियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी स्कूल-कॉलेज-कोचिंग जाते समय बेहद सावधानी बरतें। यदि कहीं भी पानी का भराव या पुल-पुलिया के पार पानी आता दिखाई दे तो वहां से आवागमन न करें। उन्होंने कहा कि यद्यपि जिला प्रशासन एवं राज्य शासन द्वारा बारिश के मद्देनजर सभी इंतजाम किए गए हैं, तथापि आवश्यकता पड़ने पर और अधिक इंतजाम भी किए जाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को शुरूआत में ही तर-बतर कर देने वाले मानसून के मंगल प्रवेश पर प्रदेश के नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं भी दी हैं। उन्होंने कहा कि मानसून हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। इसकी आमद खुशी देती है।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आई युवती, मौत

ऑनलाइन सेंटर से लौट रही थी घर

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के सीतामऊफाटक के पास छाजुखेड़ा क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में 20 वर्षीय युवती की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतका की पहचान तुलसी कुंवर उर्फ पायल राजपूत निवासी ग्राम छाजुखेडा के रूप में हुई है।

युवती मेनपुरिया स्थित एक ऑनलाइन सेंटर पर कार्यरत थी और रोज की तरह सोमवार को भी काम खत्म कर घर लौट रही थी। इसी दौरान जोधपुर से इंदौर जा रही गाडी संख्या 14801 ट्रेन के आने से रेलवे ट्रैक पार करते समय वह चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने हादसे का कारण प्रशासनिक लापरवाही को ठहराया है। उनका कहना है कि ग्राम मोहम्मदपुरा स्थित रेलवे अंडरब्रिज में पानी और कीचड जमा है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि स्थानीय लोग मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार करने के लिये ब्रिज के ऊपर से आना-जाना कर रहे हैं, जो बेहद जोखिम भरा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। लेकिन, बरसात का दौर शुरू होते ही यह और गंभीर हो जाती है। यदि समय रहते प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में और भी बडे हादसे हो सकते हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। घटना की जांच जारी है।

कालिदास प्रसंग के अंतर्गत श्लोकपाठ एवं भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्रभारी प्राचार्य डॉ. डी. सी. गुप्ता ने बताया कि कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित 'कालिदास प्रसंग' का आयोजन दिनांक 26-27 जून 2025 को मंदसौर में किया जा रहा है।

महाविद्यालय के कालिदास कक्ष में दिनांक 23 जून को संस्कृत श्लोकपाठ एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाकवि कालिदास के साहित्य से परिचित कराना तथा मालवा की सांस्कृतिक गरिमा से जोडना रहा। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा निर्धारित श्लोकों का सस्वर पाठ किया तथा मालवा के गौरव: महाकवि कालिदास विषय पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में महाविद्यालय स्तर पर अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में कालिदास प्रसंग के स्थानीय संयोजक श्री ब्रजेश जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता में विजयी एवं सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को 26-27 जून को आयोजित कालिदास प्रसंग के अवसर पर म.प्र. शासन के उपमुख्यमंत्री जी के करकमलों द्वारा विशिष्ट पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में कालिदास प्रसंग आयोजन के संरक्षक वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कालिदास के अद्भुत साहित्य से अवगत कराना तथा उन्हें मालवा की साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत पर गर्व अनुभव कराना रहा। प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष मूल्यांकन डॉ. सीमा जैन, डॉ. संतोष कुमार शर्मा एवं प्रो. संदीप सोनगरा द्वारा निर्णायक मंडल के रूप में किया गया। प्रतियोगिताओं का संचालन संस्कृत विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार आर्य ने की।

पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता का जन्मदिवस सेवा दिवस के रूप में आज मनाया जायेगा

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के संरक्षक शिरोमणि एवं प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता का आज 24 जून को संपूर्ण मध्य प्रदेश में जन्मदिवस सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मंदसौर जिला मुख्यालय पर भी वैश्य महासम्मेलन द्वारा जिला चिकित्सालय मंदसौर में प्रात: 9:30 बजे मरीजो के बीच फल वितरण किये जायेंगे। गोपाल कृष्ण गौशाला में गौ सेवा एवं स्कूली बच्चों को आवश्यकता अनुसार पाठ्य सामग्री वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल गरोठ की गरिमामय उपस्थिति में वितरित की जावेगी।

इस आशय की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई के जिला प्रभारी नरेंद्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष जगदीशचन्द्र चौधरी ,जिला महामंत्री भगवानदास विजयवर्गीय, मंदसौर तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण छापरवाल, संभागीय प्रभारी कपिल भंडारी, संभागीय अध्यक्ष डॉ आशीष अग्रवाल , जिला प्रभारी जगदीश काला ,जिलाध्यक्ष राकेश दुग्गड, जिला महामंत्री दिलीप सेठिया ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन के मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय शिरोमणि संरक्षक श्री उमाशंकर गुप्ता का जन्म दिवस आज 24 जून को संपूर्ण मध्यप्रदेश में वैश्य महासम्मेलन द्वारा सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है । मंदसौर जिला मुख्यालय सहित सभी तहसील मुख्यालय पर भी सेवा दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंदसौर जिला चिकित्सालय परिसर में 24 जून मंगलवार को प्रात: 9:30 बजे मरीजो के फल वितरण, गोशाला में गोमाता को आहार, एवं दो स्कूली बच्चों को पाठ्य सामग्री प्रदान की जाएगी।

❊ उठावना ❊

हमारी माताजी एवं स्व श्री कैलाशनारायण जी कवीश्वर (वकील साहब) की धर्म पत्नी एवं आशुतोष कविश्वर (हैप्पी), फाल्गुनी कविश्वर (खुशी) की दादीजी श्रीमती उमादेवी कविश्वर का स्वर्गवास दिनांक 22 जून 2025 (रविवार) को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 24 जून 2025 मंगलवार को प्रात: 11 बजे राजेंद्र परिणय रिसॉर्ट, मंदसौर पर रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
शिवकुमार कवीश्वर, स्व. महेश कुमार कवीश्वर, उमाशंकर (कालू) कवीश्वर, त्रिभुवन कवीश्वर, प्रदीप कविश्वर कवीश्वर एवं समस्त कवीश्वर परिवार मंदसौर

भाजपा कल करेगी लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियों) का सम्मान

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, बजरंग पुरोहित मुख्य अतिथि के रूप में रहेंगे उपस्थित

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर द्वारा आपातकाल स्मृति दिवस 25 जून के अवसर पर मंदसौर स्थित पद्मावती रिसोर्ट पर प्रात: 10 बजे लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियों) एवं लोकतंत्र प्रहरी परिवारों का स्वागत सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी आयोजित की जा रही है।

उक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बताया कि आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर 25 जून को लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियो) का सम्मान किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के केबीनेट मंत्री एंव भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय एवं रतलाम जिले से वरिष्ठ भाजपा नेता बजरंग जी पुरोहित उपस्थित रहेगें। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला लोकतंत्र सेनानी संघ के अध्यक्ष हंसराज कबाडी जी की गरिमामय उपस्थित रहेगी। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु कार्यक्रम निमित्त जिला प्रभारी जगदीश परमार, कार्यक्रम जिला सदस्य अर्जुन सोनी, देवेन्द्र मरच्या, अनिता कोठारी बनाए गये है। संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में सम्माननीय लोकतंत्र सेनानी संघ के सदस्य एवं लोकतंत्र प्रहरी संघ के सदस्य परिवार जन एवं सभी भारतीय जनता पार्टी के समस्त वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण ,पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता गण, एवं ज्येष्ठश्रेष्ठकार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं नगर मंडल मंदसौर एवं मोर्चा प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

जिले के कक्षा 9वी एवं उससे ऊपर के जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी...

30 जुलाई के पूर्व नेशनल स्कॉलरशीप पोर्टल (एनपीएस) पर वन टाइम (ओटीआर) करावें

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती अंगुरबाला भगोरा द्वारा बताया गया कि कक्षा 9वीं से महाविद्यालय स्तर तक के अध्ययनरत जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी जिन्हे केन्द्र प्रवर्तीत प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (वार्षिक पारिवारिक आय सीमा राशि रु. 2.50 लाख से कम) का लाभ प्राप्त होता है उन्हे वर्ष 2025-26 में लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनपीएस) पर वन टाइम (ओटीआर) करना अनिवार्य किया गया है। जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियो द्वारा एक बार ओटीआरनम्बर प्राप्त करने के पश्चात भविष्य में भी आगामी कक्षाओ में इसी नम्बर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त लिया जा सकेगा।जिसके लिए पृथक से ओटीआरकी आवश्यकता नही होगी।सम्पूर्ण प्रक्रिया दो चरणों मे सम्पन्न की जाना है।इस संबंध में महाविद्यालय एवं शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित स्कूल शालाओ व अनुसूचित जाति/जनजाति / विमुक्त जाति वर्ग के संचालित छात्रावासों मे निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों से नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनपीएस) पर वन टाइम (ओटीआर) प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने हेतु जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय एवं जिला शिक्षा अधिकारी तथा अनुसूचित जाति/जनजाति/विमुक्त जाति छात्रावास अधीक्षको को निर्देशित किया गया। जिससे की शासन मंशानुरूप छात्रवृत्ति योजनाओं में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को लाभांवित किया जा सके।जिले में अध्ययनरत कक्षा 9वी एवं उससे उपर के जनजातीय वर्ग के विध्यार्थी 30 जुलाई 2025 के पूर्व नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनपीएस) पर वन टाइम (ओटीआर) करावें।

सीटे खाली है पर स्कूल में एडमीशन नही कर रहे

मंदसौर, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। सांदीपनी विद्यालय गुर्जर बर्डिया (सी.एम. राइज विद्यालय) वहा के स्कूल के प्राचार्य एडमीशन के मामले में छात्र छात्राओ को गुमराह कर रहे है। उक्त विद्यालय के 5 किलोमीटर परीधी वाले प्राइमेरी स्कूल के बच्चों को भी एडमीशन नहीं कर रहे है। 8वी पास वाले बच्चो को भी 9 वी में एडमीशन नहीं दे रहे है। उक्त विद्यालय 30 से 35 प्रतिशत सीटे खाली है। आसपास के सभी स्कूलो के स्टाफ और प्राचार्य की मीलीभगत से छात्रो को गुमराह किया जा रहा है। यह बात मांगीलाल माहेश्वरी , गुर्जरबर्डिया ने कही।

उन्होने कहा कि म.प्र. सरकार ने ग्रामीण बच्चो को अच्छी शिक्षा मिले नि:शुल्क परिवहन का साधन मिले इसको ध्यान में रखते हुवे गुर्जर बर्डिया ने करोड़ो रूपये का भवन बनवाया है। ऐसे लापरवाह स्कूल प्रबंध सरकार का नाम बदनाम कर रहे है। ऐसी सुविचा निजी स्कुलो में भी नहीं मिलेगी। इसलिये ग्रामीण बच्चो का रुझान उक्त विद्यालय में एडमिशन कराने के लिये रोज भटक रहे हैं। अत: तुरन्त जांच कर ग्रामीण बच्चो को एडमीशन करावे व लापरवाहो के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने का कष्टकरे।

नाहरगढ़-बिल्लोद के बीच पुल का निर्माण कार्य प्रारम्भ

नाहरगढ़, 23 जून गुरु एक्सप्रेस। दो जिलो को जोड़ने वाली शिवना नदी पर जो नाहरगढ बिल्लोद के बीच पुल का निर्माण काम की शुरूआत हुई। बडा पुल की मांग अंचल वासी 25 वर्षो से जनप्रतिनिधिगण से करते रहे है। दो विधान सभा सुवासरा से मल्हारगढ क्षेत्र को जोडकर ग्रामीण अंचल की बडी समस्या थी। लगातार मीडिया मे बड पुल की मांग उठती रही है आज उसी का परिणाम है कि शासन, प्रशासन व विभाग के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधिगण व जननेताओ ने आमजन व राहगीर हित की मांग पर ध्यानाकर्षण कर स्वीकृत किया है। आज गांव गांव व चौपाल-चौपाल यह चर्चा होती आ रही थी की कब काम चलेगा। देर से ही सही काम चला ओर दो फिलर दिखाई देने से सभी को आस लगी के अब पुल बनेगा। अंचल व क्षेत्र मे थोडी खुशी दिखाई दी।

कार्यालय-ए.के. पोरवाल एडवोकेट
17, सुरभि गुरुनानक मार्ग, नई आबादी, मंदसौर
मो.-9826243890

आम सूचना बाबत आवसीय मकान HDX-60 (DUPLEX) किटियानी मंदसौर के संबंध में

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती उपहार पति संजय भंडारी निवासी किटियानी मंदसौर से आवासीय मकान HDX-60 (DUPLEX)किटियानी कालोनी जिसकी चर्तुःसीमा निम्न प्रकार है-

❊ पूर्व में- मकान HDX-110 (DUPLEX) ❊ पश्चिम में- कालोनी सड़क ❊ उत्तर में- मकान HDX-61 (DUPLEX) ❊ दक्षिण में- मकान HDX-59 (DUPLEX) पैमाईश - पूर्व से पश्चिम - 13.50 मीटर, उत्तर से दक्षिण - 8.05 मीटर कुल 108.67 वर्ग मीटर

के लीज होल्ड राईट्स को खरीदने का सौदा किया है। उक्त सौदे के बारे में किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन से सात दिवस में अपनी आपत्ति मय लेखी प्रमाण के मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद उक्त मकान की लीज ट्रांसफर रजिस्ट्री विधिवत मेरे पक्षकार द्वारा करवा ली जावेगी तथा बाद में किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। अतः सूचित हो।

दिनांक-23.06.2025 भवदीय
मंदसौर ए.के. पोरवाल एडवोकेट

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)
क्रमांक -क्यू मंदसौर, दिनांक 23.06.2025

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 सीबी 0967 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में नरेन्द्रसिंह पिता नरवोत्तम सिंह ग्राम दलौदा, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती ईशासिंह पति स्व. नरेन्द्रसिंह, दलौदा, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in